अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-8-2019**

समय : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष - प्रथम-प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड)–40

प्र. 1 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें– 20

(क) द्रव्य गुण पर्याय द्वार लिखें।

(ख) दृष्टांत द्वार के आधार पर आश्रव व बंध की व्याख्या करें।

(ग) द्रव्य–क्षेत्र–काल–भाव–गुणद्वार–आश्रव, अजीव, निर्जरा व संवर की व्याख्या करें।

(घ) भाव द्वार को परिभाषित करते हुए औदायिक व पारिणामिक भाव की व्याख्या करें।

(ङ) सावद्य निरवद्य द्वार तथा आत्म द्वार लिखें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) भेद द्वार।

(ख) षड्द्रव्य द्वार–प्रारंभ से लेकर जीवास्तिकाय तक लिखें।

(ग) संवर व निर्जरा के भेदों की व्याख्या करें।

(घ) विस्तार द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए, दो वर्गों में बांटे तो.....तक लिखें।

(ङ) नौ तत्त्व द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए संवर तक लिखें।

(च) दृष्टांत द्वार के आधार पर आए हुए प्रथम चार प्रश्नोत्तर तक लिखें।

कर्म-प्रकृति–35

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के हेतु व गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) चारित्र मोह की प्रकृतियों की स्थिति लिखें।

(ग) त्रस दशक की व्याख्या करें।

(घ) कर्म की दस अवस्था–प्रवेश बंध, उदीरणा व निकाचना का वर्णन करें।

(ङ) असातवेदनीय कर्म बंध के हेतु व वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।

(च) चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र बनाऐं।

(छ) नाम कर्म की प्रत्येक प्रकृति को अर्थ सहित लिखें।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी निमित्त का वर्णन करें।

(ख) दर्शनावरणीय कर्म की उत्तर प्रकृतियों की व्याख्या करें।

(ग) आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) दर्शन मोह की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति लिखें।

(ङ) पिंड प्रकृति–शरीर बंध, शरीर संघात व आनुपूर्वी नाम का वर्णन करें।

(च) सांपरायिक बंध किसे कहते हैं? तथा वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।

(छ) अंतराय कर्म की उत्तर प्रकृतियों की व्याख्या करें।

गीतिका–10

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) रावण किसके द्वारा मारा गया, उस पद्य को लिखें।

(ख) किस चक्रवर्ती को कर्मों ने अंधा बनाया, उसे पद्य को लिखें।

(ग) किस राजा को उसकी विमाता ने मुर्गा बनाया, उससे संबंधित पद्य लिखें।

(घ) सहस्त्र किरण.....घटतो रे।

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) राजा हरिश्चन्द्र ने किसको बेचा? तथा उन्हें कितने समय तक पानी भरना पड़ा?

(ख) भगवान आदिनाथ को कर्मों के कारण क्या कष्ट सहना पड़ा?

(ग) किसकी पुत्री को चौराहे पर पशु की तरह बेचा गया?

पूर्व-कंठस्थ-ज्ञान–15

प्र. 7 निम्न आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें (प्रत्येक वर्ग में से दो प्रश्न हल अवश्य करें)– 12

पच्चीस बोल–

(क) नौंवा बोल।

(ख) काय योग के भेद।

(ग) प्रथम आठ दण्डक।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(क) जीव के आठ भेद किसमें व कौन से?

(ख) ग्यारह गुणस्थान किसमें व कौन से?

(ग) अठारह दण्डक किसमें व कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(क) विषय किस कर्म का उदय?

(ख) लेश्या किस कर्म का उदय?

(ग) तुम्हारे में आत्मा कितनी?

तत्त्व चर्चा–

(क) दया छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) धर्म और धर्मास्तिकाय एक या दो?

(ग) पुण्य हेय या उपादेय?

प्र. 8 कोई एक पद्य लिखें– 3

(क) दशों ही.....विवेक।

(ख) सांगधारी.....थाई रे।।